5/7/26

STD - VI II Lang Hindi

PAGE:
DATE: / /

July Month Position and Notes

पाठ: 4. प्लास्टिक से मुक्ति

पाठ: 6. सबकी मधुर जुबान है हिंदी (कविता) (1-8 lines)

पाठ: 7. गोभी का फूल

पाठ: 8. एक पत्र माँ के नाम

Notes:

कविता: सबकी मधुर जुबान है हिंदी

कविता (1-8 lines)

I शब्दार्थ:

Pg. No: 51

II मौखिक - प्रश्न - उत्तर :-

क) कवि ने भारत माँ की बिंदी को कैसा बताया है?

उत्तर कवि ने भारत माँ की बिंदी को लालिमायुक्त और सुंदर बताया है।

ख) भारतवासियों के लिए हिंदी महत्वपूर्ण क्यों है?

उत्तर: *) हिंदी में अभिव्यक्ति कुशलता है अर्थात इसके

PAGE:
DATE: / /

भारतवासी अपनी बात विश्व के समक्ष रख सकता है।

*) यह भारत को पहचान दिलाने वाली भाषा है, इसलिए भारतवासियों के लिए हिंदी महत्वपूर्ण है।

ग) कविता के रचयिता कौन हैं?

उत्तर: कविता के रचयिता श्री श्यामसुंदर श्रीवास्तव 'कोमल' हैं।

III लिखित : प्रश्न - उत्तर :

क) हिंदी सभी धर्मों में एकता कैसे लाती है?

उत्तर: *) राष्ट्र की एकता के लिए उसकी एक भाषा होना अनिवार्य है जिससे लोग अपने विचारों को साझा कर सकें।

*) हमारे देश में हिंदी यह भूमिका निभाती है।

*) हमारे यहाँ सभी धर्मों के लोग हिंदी जानते, समझते और बोलते हैं।

*) हिंदी भाषा क्षेत्र में ही नहीं बल्कि अहिंदी भाषी प्रांतों में भी यह बोली व समझी जाती है।

PAGE:
DATE: / /

*) विभिन्न धर्मों को मानने वाले लोगों के बीच यह संवाद का सेतु है और इस प्रकार यह सभी धर्मों में एकता लाती है।

ख) भारत को नई पहचान दिलाने में हिंदी का क्या योगदान है?

उत्तर: हिंदी एक वैज्ञानिक भाषा है। जिसमें अभिव्यक्ति की पूर्ण कुशलता है। आज विदेशों के विश्वविद्यालयों और स्कूलों में हिंदी पढ़ाई जा रही है। हमारे राष्ट्रनेता विश्व मंच पर हिंदी में अपनी बात रख रहे हैं। इस प्रकार हिंदी भारत को नई पहचान दिला रही है।

ग) कविता के आधार पर हिंदी की विशेषताएँ लिखिए।

उत्तर: हिंदी भारत का गौरव है। यह सही धर्मों में एकता लाती है। अलग-अलग बोली बोलने वाले लोग भी हिंदी बोलते और समझते हैं। इसमें अभिव्यक्ति की कुशलता है। इसका व्याकरण समृद्ध है

PAGE:
DATE: / /

जो इसे वैज्ञानिक भाषा बनाता है।

घ) भारत के उत्थान के विषय में कवि ने क्या कहा है

उत्तर: कवि का मानना है कि हिंदी से हमारी प्रगति और हमारे देश का उत्थान संभव है। क्योंकि वैश्विक पटल पर यह अपने आत्मसम्मान बनाकर देश को सम्मान प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

सही विकल्प चुनकर (✓) लगाइए :

उत्तर.क) हिंदी को

ख) भारत की गरिमा का

1. शब्दों को मिलाइए :

क		ख
भव्य	—	भाल
मधुरतम	—	गान
समृद्ध	—	व्याकरण
शुचि	—	प्राण

2. पर्यायवाची शब्द :-

तन - बदन, शरीर, देह

गान - नगमा, गीत, तराना

भाल - माथा, ललाट, मस्तक

माँ - माता, जननी, धात्री

3. समान तुक वाले शब्द :-

भव्य - नव्य, दिव्य

गान - मान, दान

बोली - गोली, रोली

तन - धन, मन

4. इनके दो-दो शब्द लिखिए :-

व्य - कर्तव्य, व्यतीत

द्ध - बुद्धि, शुद्ध

त्थ - जत्था, हत्था

स्म - रस्म, भस्म

न्न - अन्न, गन्ना

म्म - सम्मान, चम्मच

PAGE:
DATE: / /

5. वचन बदलकर वाक्य पुनः लिखना –

(i) घरों में पानी नहीं है।

(ii) लड़कों ने तालियाँ बजाईं।

पाठ : 4. प्लास्टिक से मुक्ति

I मौखिक प्रश्नोत्तर :

क. कौन-सी समस्या वैश्विक समस्या बन गई है?

उत्तर: प्लास्टिक कचरा वैश्विक समस्या बन गई है।

ख. आज प्लास्टिक का कौन-सा सामान समस्या बढ़ा रहा है?

उत्तर: आज 'यूज़ एंड थ्रो' वाले बॉल पेन और रेज़र, प्लास्टिक की बोतलें, मेकअप का सामान, डिस्पोज़ेबल बरतन, पॉलीथीन की थैलियाँ, पैकिंग के सामान आदि प्लास्टिक की समस्या बढ़ा रहे हैं।

ग. बॉलपेन के इस्तेमाल से क्या प्रभाव पड़ा है?

उत्तर: आज ऐसे पेनों का बोलबाला है जो खतम होने के बाद फेंक दिए जाते हैं। देश की बढ़ती साक्षरत

PAGE:
DATE: / /

दर के साथ ऐसे पेनों का इस्तेमाल प्लास्टिक कचरा बढ़ा रहा है। तीन दशक पहले एक व्यक्ति साल भर में मुश्किल से एक पेन खरीदता था और आज हर साल एक दर्जन पेनों की प्लास्टिक प्रति व्यक्ति बढ़ रही है।

घ) भारत के प्लास्टिक मुक्त शहर के बारे में बताइए

उत्तर: *) केरल के दक्षिण-पूर्व में स्थित कन्नूर शहर प्लास्टिक मुक्त शहर बन गया है।

*) इस शहर ने केरल की स्थापना दिवस पर प्लास्टिक से मुक्ति का संकल्प लिया और पाँच महीने में उसे पूरा भी किया।

*) सरकारी कार्यालयों से लेकर आम नागरिकों ने भी भरपूर प्रयास किए।

*) वहाँ आज कोई भी प्लास्टिक की थैली नहीं माँगता।

*) सभी लोग थैलों का इस्तेमाल करते हैं।

PAGE:
DATE: / /

II लिखित - प्रश्नोत्तर :-

क. प्लास्टिक - कचरे के लिए समाज कैसे ज़िम्मेदार है?

उत्तर: *) कचरा बढ़ाने का काम समाज ने ही किया है।

*) स्याही पेन की बजाय बॉल पेन का इस्तेमाल किया, 'यूज़ एंड थ्रो' रेजर, दूध और पानी की प्लास्टिक बोतलों को बढ़ावा दिया है।

*) दूध - पानी की थैलियों, मेकअप का सामान, डिस्पोजेबल बरतनों, पॉलीथीन की थैलियों का अधिक प्रयोग करके कचरा बढ़ाया है।

ख. केरल सरकार ने राज्य को प्लास्टिक मुक्त बनाने के लिए कौन-से कदम उठाए हैं?

उत्तर: *) प्लास्टिक मुक्त बनाने के लिए डिस्पोजेबल बॉल पेन की जगह स्याही पेन के इस्तेमाल का अभियान चलाया।

*) सरकारी आयोजनों में फ्लेक्स बैनर और

PAGE:
DATE: / /

गुलदस्ते के फूलों को पॉलीथीन में लपेटने पर रोक लगा दी है।

*) प्रत्येक कार्यालय में कचरे को अलग-अलग जमा करना, कंपोस्ट बनाना, कागज़ के कचरे को रिसाइकिल के लिए देना।

*) बिजली व इलेक्ट्रॉनिक कचरे को एकत्र कर प्रत्येक तीन महीने में वैज्ञानिक तरीके से उसको ठिकाने लगाने की योजनाएँ बेहद कारगर सिद्ध हो रही हैं।

ग) लाचेन गाँववासियों ने कौन-सी मिसाल पेश की है?

उत्तर *) लाचेन गाँववासियों ने खुद को पूरी तरह प्लास्टिक मुक्त करके नई मिसाल खड़ी की है।

*) अपने पारंपरिक निर्वाचित पंचायत जुमसा की मदद से सन 2012 में सबसे पहले गाँव में पानी की प्लास्टिक बोतलों पर पाबंदी लगाई।

*) खाना रखने और खाने के लिए प्रयुक्त डिस्पोज़ेबल डिब्बों आदि पर पाबंदी लगाई।

PAGE:
DATE: / /

*) बोतल बंद पानी बेचने को अपराध घोषित किया गया।

*) पर्यटकों को गाँव में घुसने से पूर्व प्लास्टिक इस्तेमाल न करने की सूचना दे दी जाती है।

घ) प्लास्टिक कचरे से ईंधन कैसे बनता है?

उत्तर: *) पृथ्वी को प्रदूषित करने वाले प्लास्टिक के कचरे का लगभग 20 प्रतिशत हिस्सा थर्मोप्लास्टिक होता है।

*) इस थर्मोप्लास्टिक को चूर्ण कर 400 डिग्री सेल्सियस तापमान पर तेल टैंक में गरम किया जाता है।

*) इस क्रिया से यह विघटित होता है।

*) इसके पश्चात इसमें सोडियम हाइड्रोक्लोराइड मिलाकर थर्मोप्लास्टिक से निकलने वाली क्लोरीन गैस को सोडियम क्लोराइड के रूप में बाहर निकाल लिया जाता है।

PAGE:
DATE: / /

*) सामान्य वायुमंडलीय दाब पर यह प्लास्टिक टूटकर लगभग अनुपात में विभिन्न लंबाइयों की कार्बन श्रृंखलाएँ बनाता है।

*) इसी प्रकार की हाइड्रोकार्बन श्रृंखलाएँ पेट्रोल और डीज़ल में होती हैं।

* इस तरह से प्राप्त पदार्थ ईंधन के रूप में इस्तेमाल होता है।

5. पठित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :-

उत्तर (i) कुछ साल पहले तक दूध भी काँच की बोतलों में आता था या फिर लोग अपने बरतन लेकर डेयरी जाते थे। आज दूध तो दूध, पीने का पानी भी कचरा बढ़ाने वाली बोतलों में मिल रहा है।

(ii) पूरे देश में हर रोज़ चार करोड़ दूध की थैलियाँ और दो करोड़ पानी की बोतलें कूड़े में फेंकी जाती हैं।

PAGE:
DATE: / /

iii) मेकअप का सामान, घर में होने वाली पार्टी में डिस्पोज़ेबल बरतनों का प्रचलन, बाज़ार से सामान लाते समय पॉलीथीन की थैलियाँ लेना, हर छोटी-बड़ी चीज़ की पैकिंग; ऐसे ही न जाने कितने तरीके हैं, जिनसे हम कूड़ा-कचरा बढ़ा रहे हैं।

III सही विकल्प चुनकर (✓) लगाइए :-

क) इस्तेमाल करो और फेंक दो

ख) तोशीबा

भाषा-ज्ञान

1. 'अ' उपसर्ग लगाकर विलोम शब्द :-

असुरक्षित	असुंदर
अप्राकृतिक	अपूर्ण
असफल	अस्वच्छ
अकार्बनिक	असंभव
अमूर्त	असामान्य

PAGE:
DATE: / /

2. वाक्यांशों के लिए सही शब्द :-

देशक

औद्योगिक

लोकप्रिय

प्राकृतिक

सर्वव्यापक

3. अशुद्धियाँ दूर करके वाक्य दोबारा लिखिए :-

i) कश्मीर का प्राकृतिक सौंदर्य अद्वितीय है।

ii) हम नदी के तट पर घूम रहे थे।

iii) व्यवसाय से भी दोनों जुलाहे ही थे।

iv) वह सेतरे खा रहा है।

4. अनुस्वार और अनुनासिक :

सुंदर वहाँ

गाँव पारंपरिक संभव

सचित आँख जहाँ

सकल्प पंचायत

PAGE:
DATE: / /

5. सर्वनाम के भेद :-

क. हम - पुरुषवाचक

ख) यह - निश्चयवाचक

ग) किसी - अनिश्चयवाचक

घ) स्वयं - निजवाचक

ङ) जिसको - संबंधवाचक

च) कोई - अनिश्चयवाचक

6. अपठित गद्यांश :-

(1) वायु प्रदूषण का सबसे अधिक प्रकोप महानगरों पर हुआ है। इसका कारण है बढ़ता हुआ औद्योगीकरण। गत बीस वर्षों में भारत के प्रत्येक नगर में कारखानों की तेजी से वृद्धि हुई है उससे वायुमंडल पर बहुत प्रभाव पड़ा है क्योंकि इन कारखानों की चिमनियों से चौबीसों घंटे निकलने वाले धुएँ ने सारे वातावरण को विषाक्त बना दिया है।

PAGE:
DATE: / /

ii) वाहनों के धुएँ से निकलनेवाली कार्बन मोनोक्साइड गैस के कारण आज न जाने कितनी प्रकार की साँस और फेफड़ों की बीमारियाँ होती हैं इस प्रकार सड़कों पर चलने वाले वाहन वायु प्रदूषण में वृद्धि करते हैं।

iii) बढ़ती हुई जनसंख्या, लोगों का काम की तलाश में गाँवों से शहरों की तरफ भागना भी वायु प्रदूषण के लिए अप्रत्यक्ष रूप से उत्तरदायी है।

iv) पर्यावरण की सुरक्षा के लिए अधिक से अधिक वृक्ष लगाने चाहिए।

PAGE:
DATE: / /

6/7/26

पाठ: 7: गोभी का फूल

I मौखिक प्रश्नोत्तर :-

उत्तर: क) * वे सब्जी खरीदते समय हरे धनिए की गड्डी मुफ़्त में माँगते, शलजम के पत्ते तुड़वाकर तुलवाने का आग्रह करते।

* आलू छाँट-छाँटकर चढ़वाते और अरबी धुलवाकर मिट्टी हटाकर लेते थे।

* बहुत मोल-भाव करते थे। इसलिए बाज़ार के सब्ज़ीवाले उन्हें पहचानते थे।

उत्तर: ख) * गोभी का फूल ज़रा गठा हो। क्योंकि छितरा फूल जल्दी खराब हो जाता है।

* फूल में पत्ते होने चाहिए, फूल पानी में भीगा हुआ न हो।

* फूल झड़वाकर लें ताकि उसके कीड़े निकल जाएँ

उत्तर: ग) * डिब्बे में भीड़ होने के कारण आबा पूरा भीतर नहीं आ सकता था। इसलिए धीरे-धीरे करके

PAGE:
DATE: / /

अंदर लाया गया। इस कोशिश में दो फूल प्लेटफॉर्म से खिसककर रेल की पटरी पर गिर गए

उत्तर: घ) गोभी का झाबा ठसाठस भरी ट्रेन में चढ़ाते समय कुली से दो गोभी के फूल पटरी पर गिर इसलिए लेखक कुली पर बिगड़ा।

उत्तर: ङ) गाड़ी के अंदर का दृश्य निराला था। गोभी के झाबे को हटाने के लिए लोग अलग-अलग राय दे रहे थे, पर कोई भी अपनी जगह से तिलभर भी हिलने को तैयार न था।

II लिखित-प्रश्नोत्तर :-

उत्तर: क) हनुमान प्रसाद जी को हरी सब्जी का मर्ज़ था क्योंकि किस सब्जी में कितने विटामिन होते हैं, कितना लोहा, कितना चूना, कितना कत्था, कितनी लकड़ी, कितनी ईंट... इसका जितना ज्ञान उनको था, वैसा किसी पोस्टमास्टर को अब तक निकले हुए डाक-टिकटों के बारे में भी नहीं था।

PAGE:
DATE: / /

उत्तर: ख) गोभी के फूल लाने में लेखक को बहुत-सी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। सबसे पहले सब्जी मंडी में घुसकर मोलभाव किया, गोभी के झाबे को गाड़ी में चढ़ाने के लिए मशक्कत करनी पड़ी कुली से झगड़ा किया, रेल के डिब्बे मे झाबे पर चढ़ते लोगों को सचेत करते रहना पड़ा।

उत्तर: ग) इलाहाबाद स्टेशन आने तक गोभी के फूल जनता की इतनी लातें सह चुके थे कि उन्हें पहचानना कठिन लग रहा था।

उत्तर: घ) लेखक वक्त का ध्यान रखनेवाले व्यक्ति हैं। वे हनुमान प्रसाद को याद दिलाते हैं कि गोभी का माहात्म्य सुनने में अभी गाड़ी छूट सकती है। वे परिस्थितियों के अनुसार कार्य करनेवाले हैं। एक ओर झाबे के साथ रेलवे स्टेशन पर चलते समय उन्हें संकोच होता है तो दूसरी

PAGE:
DATE: / /

और वे परिचितों को गंभीरता से जवाब देते हैं साथ ही डिब्बे में चढ़ते हुए अपने संकोच को तज देते हैं। वे वस्तु-मोही हैं इसलिए उन्हें गोभी के फूलों की चिंता है। वे क्रोधी भी हैं। कुली द्वारा गोभी गिरने पर वे अपना क्रोध प्रकट करते हैं। वे संकोची हैं इसलिए बाज़ार से महँगे गोभी के फूल खरीदकर हनुमान प्रसाद को दे आते हैं।

आशय स्पष्ट कीजिए :- (सिर्फ मौखिक रूप में)

i) व्यक्ति की आदतें उसे प्रिय और अप्रिय बनाती हैं। हनुमान प्रसाद की मोल-भाव करने, अपनी शर्तों पर वस्तुएँ खरीदने की आदत के कारण कोई भी सब्जीवाला नहीं चाहता कि वे उसकी दुकान पर आकर खरीदारी करें।

ii) जब व्यक्ति सिर्फ अपने बारे में सोचता है तो उसकी शर्म और समाज पीछे छूट जाता है। भरी

PAGE:
DATE: / /

ट्रेन में चढ़नेवाला व्यक्ति ऐसा ही होता है। ठसाठस भरी ट्रेन में चढ़ते समय लेखक पर किसी की बात असर नहीं हुआ। वह अपनी शर्म को प्लेटफॉर्म पर ही छोड़कर डिब्बे में चढ़ा था।

iii) किसी एक व्यक्ति को अपनी बात समझाई जा सकती है लेकिन भीड़ में तो सबको अपनी - अपनी ही सूझती है। कोई किसी की बात नहीं समझता।

iv) जब कोई उम्मीदवार चुनाव हार जाता है तो उसकी शानो - शौकत ढल जाती है। कोई उसे नहीं पूछता। उसे पहचानना मुश्किल हो जाता है। इसी तरह लोगों के पैरों के नीचे दबकर गोभी के फूलों की शक्ल पहचानी नहीं जा रही थी।

PAGE:
DATE: / /

गद्यांश

i) लेखक ने हनुमान प्रसाद को याद दिलाया कि यदि वे गोभी के फूल का माहात्म्य सुनकर गए तो गाड़ी तो छूटेगी ही, नौकरी भी छूटेगी और गोभी का फूल भी छूट जाएगा।

ii) लेखक को एक-एक रुपए वाले गोभी के फूल चाहिए थे जबकि तरकारी वाले इसके लिए तैयार न थे।

iii) इस मोलभाव के कारण लेखक के लौटने का वक्त हो गया और लेखक को डेढ़ रुपए के भाव से गोभी के फूल खरीदने पड़े।

सही उत्तर पर (✓) लगाइए:

क) कंजूस

ख) पोस्टमास्टर के डाक-टिकट शाम से

ग) दावत कब है

घ) इलाहाबाद से

भाषा - ज्ञान

1. पर्यायवाची :

मर्ज़ - रोग , बीमारी

मित्र - सखा , मीत

फूल - सुमन , पुष्प

हया - शर्म , लज्जा

प्रयत्न - कोशिश , प्रयास

हिम्मत - साहस , हौसला

2. अनेकार्थी शब्द :

मौसमी - मौसमी का रस पीकर मुझे ताज़गी का अहसास हुआ है।

- मौसमी सब्जियों और फलों का स्वाद ही निराला होता है।

स्वर - स्वर दो प्रकार के होते हैं - ह्रस्व और दीर्घ।

- मुझे राहुल का धीमा स्वर सुनाई दिया।

PAGE:
DATE: / /

हार – मुख्य अतिथि का स्वागत हार पहनाकर किया गया।

– खेल में तो हार-जीत होती रहती है।

3. समश्रुत भिन्नार्थक शब्द :-

i) मेरे हाथ से गिरी पेंसिल सीमा ने उठा ली।

मेहुल ने गिरी के शिखर पर पहुँचकर पताका फहराई।

ii) रेलवे स्टेशन पर गाड़ी आते ही हलचल मच गई

दूध में पककर बनी गाढ़ी खीर खाकर दिल खुश हो गया।

iii) माँ ने मुझे खाने के लिए पराँठा-अचार दिया।

शुद्ध आचार-विचार हमें सफल बनाते हैं।

iv) आचार-विचार हमें सफल बनाते हैं।

सुल्तान अरबी भाषा बोल लेता है।

PAGE:
DATE: / /

4. विशेषण और विशेष्य :-

विशेषण	विशेष्य
अच्छा	फूल
खूबसूरत	औरत
परिचित	चेहरे
दूसरा	डिब्बा
आखिरी	किस्त
सस्ती	तरकारी

5. वाक्यों को शुद्ध लिखना :-

i) आज मेरे चाचा आए हैं।

ii) तुम अपनी किताब मुझे दे दो।

iii) मुझे अभी जाना है।

iv) हमने आपसे कहा था।

v) मम्मी ने खाना नहीं बनाया।

vi) विभोर फुटबॉल मैच जीत गया।

vii) अध्यापिका कक्षा में पढ़ा रही है।

viii) मैं गृहकार्य कर चुका हूँ।

PAGE:
DATE: / /

6. अकर्मक और सकर्मक क्रिया :-

i) चाहता था। — सकर्मक

ii) लेते आइएगा — सकर्मक

iii) जा रहा हूँ — अकर्मक

iv) खरीदी है — सकर्मक

v) लौटा है — अकर्मक

vi) देख भी नही पाया — सकर्मक

7. विकारी शब्द और अविकारी शब्द :-

i) अभी यहाँ गोभी का अच्छा फूल मिलता नही।

ii) तब जाकर हनुमान प्रसाद जी ने मुझे छोड़ा।

iii) कुली चढ़ाने का आश्वासन दे रहा था पर एक रुपया इनाम चाहता था।

iv) कुछ लोग डिब्बे से बाहर निकलने का प्रयत्न कर रहे थे और कुछ चढ़ने का।

v) अरे! ट्रंक उधर ले जाओ।

PAGE:
DATE: / /

8. विरामचिह्न :

गाड़ी के भीतर का दृश्य भी निराला था। एक स्वर कहता था, "साहब, उधर ले जाएँ न।" दूसरा बोला, "बैंच के नीचे कर लीजिए।" तीसरा ऊपर से जाने का सुझाव देता। पर, कोई भी अपनी जगह से तिलभर भी हिलने को तैयार न था। गोभी का 'झाबा' वहीं नीचे पड़ा रहा। स्टेशनों पर गाड़ी रुकती रही और लोग डिब्बे में सबके मना करने पर भी उसी तरह घुसते रहे, जिस तरह मैं घुसा था। मेरा अकेला स्वर डिब्बा खुलते ही मुझे सुनाई पड़ता था, "बचाइएगा", "अरे - अरे इधर नहीं, इधर गोभी है।"

PAGE:
DATE: / /

7/26

पाठ : 8. एक माँ के नाम

I मौखिक प्रश्नोत्तर

क) सुभाषचंद्र ने यह पत्र सन. 1912 में लिखा। तब उनकी आयु 15 वर्ष थी और वे घर से दूर रहकर शिक्षा प्राप्त कर रहे थे।

ख) सुभाष भारतमाता को गुलामी की बेड़ियों में बँधा देख दुखी थे। उनका किशोर मन भारतवासियों की स्वार्थ भावना कर्महीनता और विवेकशून्यता से दुखी हो उठा था। उन्हें लगा कि वे अपनी माँ के सामने अपना दुख प्रकट कर सकते हैं इसलिए उन्होंने अपनी माँ को पत्र लिखा।

ग) 'बाबू' ऐसे लोगों को कहा गया है जो श्रम को छोटा समझते हैं और अपना काम भी स्वयं नहीं करते।

घ) हमें अपना स्वार्थ छोड़कर भारतमाता की सेवा में लग जाना चाहिए। निष्क्रियता को छोड़कर कर्मशील और कर्तव्यनिष्ठ नागरिक बनने का प्रयास करना चाहिए।

PAGE:
DATE: / /

II लिखित - प्रश्नोत्तर :-

उत्तर:क) लेखक ने भारतमाता को अभागी इसलिए कहा है क्योंकि इतनी संतानों के होते हुए भी उसकी दुर्दशा को सुधारनेवाला एक भी वीर पुत्र नहीं है।

उत्तर:ख) 'हमें जागना होगा' से तात्पर्य है कि हमें कर्मशील, कर्तव्यपरायण, परिश्रमी तथा विवेकी बनना होगा। अपने देश की दासता की बेड़ियों से छुड़ाकर स्वतंत्र करवाना होगा।

उत्तर:ग) छात्र बाबू बनने अथवा न बनने के विषय में अपने विचार लिखें।

उत्तर:घ) हमें मानवता की परवाह नहीं है। मनुष्य को मनुष्य ~~के~~ नहीं समझते। काम करनेवाले को छोटा समझते हैं। अपनी बुद्धि और विवेक का प्रयोग नहीं करते - यही हमारे देश के पतन का कारण है।

PAGE:
DATE: / /

आशय स्पष्ट कीजिए : (सिर्फ मौखिक रूप में)

उत्तर: i) देश पर मर मिटनेवाले श्रेष्ठ वीर अब नहीं हैं। भारतमाता की आज़ादी के लिए प्राण देनेवाले वीरों की आवश्यकता है।

उत्तर: ii) मानवीय गुणों को भूलकर, हम स्वार्थी और निष्क्रिय हो रहे हैं। विवेकहीन होकर अपना जीवन आलस्य में बिता रहे हैं। अपनी भारतमाता को बेड़ियों में जकड़ा देखकर भी उसे स्वतंत्र कराने का प्रयास नहीं करते।

सही विकल्प चुनकर (✓) लगाइए :-

क. कोई श्रेष्ठ काम न कर सकने पर ।

ख. श्रम को छोटे लोगों से जोड़ते हैं ।

ग. हम ज्ञान - विवेक का उपयोग नहीं करते ।

PAGE:
DATE: / /

भाषा - ज्ञान

1. उपसर्ग से बने शब्द और उनके अर्थ :-

गम - दुर्गम
जहाँ जाना कठिन हो

बल - दुर्बल
कमज़ोर

भावना - दुर्भावना
बुरी भावना

गुण - दुर्गुण
दोष, विकार

आचार - दुराचार
बुरा व्यवहार

लभ - दुर्लभ
कठिनता से प्राप्त होनेवाला

PAGE:
DATE: / /

2. कारक चिह्न :-

क) का

ख) से

ग) ने

घ) को

ङ) में , के

च) से

छ) ने , के लिए

3. उपयुक्त शब्द :-

i) बहुमूल्य

ii) श्रद्धा

iii) दुर्गम

iv) पर्याप्त

v) सहयोग

4. स्वर सहित 'र' = प्राण , प्रयोग , प्रतिदिन

स्वर रहित 'र' = स्पर्श , कर्तव्य , परमार्थ

PAGE:
DATE: / /

5. अपठित गद्यांश :-

उत्तर: (i) कार्य धैर्य, परिश्रम, निष्ठा और स्वाध्याय से पूरे किए जा सकते हैं।

उत्तर: (ii) इच्छित विषय को जान लेने से पहले मनुष्य को संतुष्ट नहीं होना चाहिए।

उत्तर: (iii) मनुष्य का सबसे बड़ा गुरु समय है।

उत्तर: (iv) प्रयास करना और निरंतर करते रहना ही सफलता का प्रथम चरण है।

V. Umeshwari